

"गमीठा भाषा"

- मोहे तनक ना माय रे ॥१॥ श्याम तोरी मुखलिया तोरी मुखलिया श्याम ॥२॥
 रह रहके मोहे बुलाय रे ॥१॥ श्याम तोरी मुखलिया
 मोहे तनक ना रह रहके मोहे
 १) तोरी मुखलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ आखों की, निंदिया कुराय रे ॥१॥
 मोहे तनक ना रह रहके मोहे श्याम तोरी मुखलिया
 २) तोरी मुखलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ दोड़ लो, बाजे पारलिया ॥१॥
 मोहे तनक ना रह रहके मोहे श्याम तोरी मुखलिया
 ३) तोरी मुखलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ पूनम खो, रास रचाय रे ॥१॥
 मोहे तनक ना रह रहके मोहे श्याम तोरी मुखलिया
 ४) तोरी मुखलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ रात ई मर, नाँच न चाय रे ॥१॥
 मोहे तनक ना रह रहके मोहे श्याम तोरी मुखलिया
 ५) तोरी मुखलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ धुन मुखली की, गैरि कराय रे ॥१॥
 मोहे तनक ना रह रहके मोहे श्याम तोरी मुखलिया
 ६) तोरी मुखलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ अँधुआँ पे, कौय बिया गाय रे ॥१॥
 मोहे तनक ना रह रहके मोहे श्याम तोरी मुखलिया
 ७) तोरी मुखलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ "श्री बाबा श्री" खों, हँसाय रे ॥१॥
 नित नई राग सुनाय रे ॥१॥ श्याम तोरी मुखलिया ॥२॥